

Publication: Hindustan Times

Edition: Lucknow

Date: Dec 12, 2025

Page: 9

 LUCKNOW
FRIDAY
DECEMBER 12, 2025

Hindustan Times | MY LUCKNOW

KG MU gets hi-tech bone marrow transplant unit

Major step towards accessible, affordable treatment for blood cancers and genetic blood disorders

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: In a major boost to health infrastructure in Uttar Pradesh, a new state-of-the-art bone marrow transplant (BMT) unit was inaugurated at the haematology department of the King George's Medical University (KG MU) here on Thursday.

Speaking on the occasion after inaugurating the unit, governor Anandiben Patel emphasised the importance of supporting poor patients and

strengthening training for staff nurses involved in specialised care units like BMT. She highlighted the commitment to ensuring affordable, no-profit treatment models, with seamless coordination between the university and government bodies to ensure smooth functioning and sustained funding, said a press release shared with the media.

Deputy CM Brajesh Pathak said providing quality health facilities to patients is the government's top priority. "The state is working very fast in that direction. Extensive work has been done in the field of health infrastructure in Uttar Pradesh and a revolutionary transformation is being witnessed. Very soon, we will be number one in the country," he said.

Underscoring the importance

of the new unit, KG MU vice chancellor Prof. Soniya Nityanand said it will significantly improve access to life-saving treatments, especially for women and children, who often face financial barriers. She said all eligible patients under government health schemes will receive treatment free of cost, ensuring equitable access to advanced care, the press release added.

The facility has been established with a generous corporate social responsibility (CSR) grant of

Rs 3.15 crore from Aditya Birla Capital, marking a major step toward accessible and affordable treatment for blood cancers and genetic blood disorders, stated a press release shared with the media.

Uttar Pradesh minister of



Deputy CM Brajesh Pathak said providing quality health facilities to patients is the government's top priority **source**

state Mayankeshwar Sharan Singh commended KG MU's extensive outreach, noting its remarkable annual patient load of 45 crore OPD visits, 15 crore IPD admissions, 45 lakh minor surgeries, and 8 lakh major surgeries, serving patients not only from Uttar Pradesh but also

from neighbouring regions, including Madhya Pradesh, Nepal, and Delhi.

Poonam Bagai, colon cancer survivor, philanthropist, and founder of Cankids Kidecan, which works for childhood cancer care, shared insights on collaborative efforts between

NGOs, hospitals, and state governments to enhance childhood cancer care across India. She reiterated the mission of achieving 100% financial support for childhood cancer by 2030, it stated.

Vishakha Mulye, director, Aditya Birla Capital Foundation, said, "A nation's strength lies in the health of its people, and every hospital built, every doctor trained, and every life saved is a step toward progress. I am confident this state-of-the-art facility will set new benchmarks in making life-saving bone marrow transplants accessible and affordable in the state and neighbouring regions".

Moreover, the KG MU administration also announced its next steps, which include commencement of operations in the new BMT unit, establishment of

streamlined procedures to help patients avail free treatment under Ayushman Bharat and other government schemes.

During the event, KG MU signed an MoU for a Rs 3.03 crore expansion project to construct seven additional HEPA-filtered rooms, further strengthening the institution's capacity to treat patients with conditions such as leukaemia, lymphoma, multiple myeloma, thalassaemia, and aplastic anaemia.

A special acknowledgement was extended to philanthropists, especially Rajashree Birla, chairperson, Aditya Birla Centre, for her unwavering support. She said the initiative will particularly benefit underserved women and children who struggle due to the high cost of treatment.

NBT

नवभारत टाइम्स

ब्लड कैंसर और थैलेसीमिया के मरीजों को मिलेगा सटीक इलाज

केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट शुरू, राज्यपाल आनंदीबेन ने किया उद्घाटन

■ **NBT न्यूज, लखनऊ :** KGMU में ब्लड रोगों से पीड़ित गंभीर मरीजों के लिए बड़ी राहत की शुरुआत हो गई है। शताब्दी भवन स्थित हिमेटॉलजी विभाग में गुरुवार को आठ बेड वाली अत्याधुनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि अब ब्लड कैंसर, थैलेसीमिया, ए-प्लास्टिक एनीमिया समेत कई जटिल बीमारियों का सटीक उपचार हो सकेगा।

राज्यपाल ने कहा कि यह यूनिट आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित की गई है। फाउंडेशन ने 2.76 करोड़ रुपये CSR फंड के रूप में दिए हैं, जिससे इलाज की सुविधाएं और बेहतर होंगी। उन्होंने कहा कि KGMU गंभीर मरीजों को आधुनिक चिकित्सा उपलब्ध करवाने में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। रोबोटिक सर्जरी के बाद बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट ने उपलब्धियों की इस यात्रा में नया अध्याय जोड़ा है। राज्यपाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक ऐंबुलेंस का सायन आज भय नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक बन गया है। नवजातों की किलकारी, बुजुर्गों की लंबी सासें और आम लोगों की स्वस्थ मुस्कान भारत की चिकित्सा क्रांति की प्रतिध्वनि है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि खून के विकारों के कई गंभीर मामलों में अत्याधुनिक सुविधाओं की जरूरत होती है। पीजीआई के बाद अब KGMU



यूनिट के लोकार्पण के दौरान राज्यपाल के अलावा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद भी मौजूद रही।

किफायती दरों पर होगा बोनमैरो ट्रांसप्लांट

कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि ल्यूकीमिया, थैलेसीमिया और ए-प्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोग समय पर इलाज न मिलने पर जीवन के लिए चुनौती बन जाते हैं। ऐसे में बोनमैरो ट्रांसप्लांट अंतिम आशा के रूप में

में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट की स्थापना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सरकार ने KGMU को 1,800 करोड़ रुपये की राशि दी है, जिसमें से 350 करोड़ रुपये संसाधनों के विकास के लिए विशेष रूप से आवंटित किए गए हैं। **MoU साइन हुआ :** आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड की समझी और सीईओ विशाखा मुल्ये ने कहा कि यह अत्याधुनिक सुविधा जीवनरक्षक बोन

सामने आता है। उन्होंने बताया कि KGMU में छह से सात लाख रुपये में बोनमैरो ट्रांसप्लांट हो सकेगा। दूसरे सरकारी संस्थानों में 10 से 12 लाख रुपये खर्च और निजी संस्थानों में 25 लाख रुपये खर्च आता है।

मैरो ट्रांसप्लांट को सुलभ और किफायती बनाने में नया मानक स्थापित करेगी। इस मौके पर आदित्य बिड़ला कैपिटल के साथ 3.03 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश से 7 नए HEPA-फिल्टर्ड रूम बनाने के लिए MoU भी साइन हुआ। यह विस्तार ल्यूकीमिया, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा, थैलेसीमिया और ए-प्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोगों के उपचार की क्षमता को और बढ़ाएगा।

बुजुर्गों की लोकेशन बताएंगे डेचर

■ **NBT न्यूज, लखनऊ :** KGMU के प्रोस्थोडॉन्टिक्स, क्राउन और ब्रिज विभाग ने एक नई तकनीक विकसित की है। इस तकनीक से डेचर के जरिए बुजुर्गों, विशेषकर डिमेंशिया से पीड़ित मरीजों की लोकेशन जानना आसान हो जाएगा। विभाग के हेड डॉ. पूरनचंद के नेतृत्व में यह तकनीक तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक के प्रैक्टिकल उपयोग के लिए लगभग

प्रोस्थोडॉन्टिक्स, क्राउन और ब्रिज विभाग ने विकसित की नई तकनीक

एक महीने का समय लग सकता है। तकनीक के निर्माण में विभाग की डॉ. अनुष्का सिंह, डॉ. स्वर्णिम

और डॉ. साधना सिंह की अहम भूमिका रही। इन्हें मुंबई में आयोजित इंडियन प्रोस्थोडॉन्टिक्स सोसायटी के 53वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. पूरनचंद ने कहा कि डिमेंशिया से पीड़ित बुजुर्ग यदि घर का पता भूल जाए, रास्ता भटक जाए तो इस तकनीक के जरिए उन्हें आसानी से ढूँढा जा सकेगा। इसके अलावा डायबीटीज के मरीज की किसी जगह अचानक तबीयत खराब हो जाए तो डेचर में लगे स्कैनर से कोई भी मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास जान सकेगा।